प्रश्न–पत्र की योजना 2024–2025

कक्षा – 12th
विषय –हिंदी साहित्य
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट   पूर्णांक– 80

1. उद्‌देश्य हेतु अंकभार–

क्र.सं.	उद्‌देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	21	26.25
2.	अवबोध	26	32.5
3.	ज्ञानोपयोग	16	20
4.	कौशल	8	10
5.	विश्लेषण	9	11.25
	योग	80	100

2. प्रश्नों के प्रकार वार अंकभार–

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंकों का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	15	1	15	18.75	30	15
2.	रिक्तस्थान	6	1	6	7.5	12	15
3.	अतिलघूत्तरात्मक	12	1	12	15.0	24	30
4.	लघूत्तरात्मक	11	2	22	27.5	22	45
5.	दीर्घउत्तरात्मक	3	3	9	11.25	6	45
6.	निबंधात्मक	3	1X6 2X5	6 10	20	6	45
	योग	50		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार–

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभर	प्रतिशत
1	अपठित बोध	12	15
2	रचनात्मक एवं व्यावहारिक लेखन	16	20
3	काव्यांग परिचय	8	10
4	पाठ्यपुस्तक – अन्तरा (भाग–2)	32	40
5	पाठ्यपुस्तक – अन्तराल (भाग–2)	12	15
	कुल	80	100

BSER

प्रश्न–पत्र ब्ल्यूप्रिन्ट 2024–2025

कक्षा –12th विषय :– हिंदी साहित्य समय 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक– 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई/उपइकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल							विश्लेषण					
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक
1	अपठित बोध									1 (12)																						
2	रचनात्मक एवं व्यावहारिक लेखन	1 (4)									2 (2)															6 (1)				2 (1)		
3	काव्यांग परिचय		1(6)																											2 (1)		
4	पाठ्य पुस्तक – अन्तरा (भाग–2)	1(6)									2(3)							3(1)	5(2)					2 (1)						2 (1)	3 (1)	
5	पाठ्य पुस्तक – अन्तराल (भाग–2)	1(5)									2 (2)							3(1)														
	योग	15(15)	6(6)							12 (12)	14 (7)							6(2)	10 (2)					2 (1)		6(1)				6(3)	3(1)	
	सर्वयोग	21(21)						26(19)						16(4)							8(2)						9(4)					

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है नोटः–कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' की द्योतक है।

यह ब्लू प्रिंट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

Senior Secondary Examination, 2025

नमूना प्रश्न–पत्र

Model Paper

विषय – हिन्दी साहित्य

Sub : Hindi Literature

कक्षा – 12वीं

Class: 12th

समय : 03 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उनके उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

BSER

<u>खण्ड – अ</u>

<u>Section - A</u>

प्र.1) बहुविकल्पात्मक प्रश्न :– (<u>i</u> से <u>xv</u>) (15X1=15)

i) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ प्रेमचंद के किस उपन्यास का अंश है ?

अ) कर्मभूमि ब) गबन

स) गोदान द) रंगभूमि

ii) सूरदास की झोंपड़ी में आग लगाने का कार्य किस व्यक्ति ने किया ?

अ) जगधर ने ब) बजरंगी ने

स) भैरों ने द) नायकराम ने

iii) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में 'भसीण' शब्द का संबंध किस पुष्प से है ?

अ) हरसिंगार ब) चमेली

स) कमल द) गुलाब

iv) 'छप्पन का काल' किस वर्ष पड़ा ?

अ) 1856 ब) 1999

स) 1973 द) 1899

v) राक्षसी बांध किस नदी पर बनाया जा रहा था ?

अ) गंगा ब) नर्मदा

स) कावेरी द) सरयू

vi) 'बनारस' कविता में किस ऋतु का वर्णन है ?

अ) वसंत ब) वर्षा

स) शरद द) हेमन्त

vii) ''ए बर <u>बाजि</u> बिलोकि'' रेखांकित शब्द का अर्थ : –

अ) प्रकृति ब) घोड़ा

स) पुष्प द) राम

BSER

viii) जायसी के बारहमासा का प्रारम्भ किस मास से होता है ?

अ) पौष ब) फाल्गुन

स) मार्गशीर्ष द) माघ

ix) 'दूसरा देवदास' कहानी में किस शहर का वर्णन है ?

अ) बनारस ब) हरिद्वार

स) पुष्कर द) प्रयाग

x) 'संवदिया' पाठ किस विधा से सबंधित है ?

अ) कहानी ब) निबन्ध

स) रेखाचित्र द) संस्मरण

xi) 'प्रेमधन की छाया स्मृति' में 'मीरजापुर' शब्द का क्या अर्थ बताया है ?

अ) धर्मपुर ब) दर्शनपुर

स) सत्यपुर द) लक्ष्मीपुर

xii) समाचार लेखन में 'ककार' की संख्या है –

अ) तीन ब) छह

स) पॉच द) चार

xiii) उल्टा पिरामिड शैली का प्रयोग कब प्रारम्भ हुआ ?

अ) 17 वीं सदी के मध्य ब) 18 वीं सदी के मध्य

स) 16 वीं सदी के मध्य द) 19 वीं सदी के मध्य

xiv) संवाददाताओं में कार्य विभाजन का क्षेत्र क्या कहलाता है ?

अ) डेस्क ब) बीट

स) न्यूजपेग द) रिपोर्ट

xv) बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को क्या कहते है ?

अ) संवाददाता ब) वाचक

स) लेखक द) टिप्पणीकार

BSER

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (**i** से **vi**) (6X1= 6)

(i) ....काव्य गुण में कठोर वर्णों एवं संयुक्ताक्षरों का प्रयोग होता है।

(ii) ''बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय''
काव्य पक्ति में ....काव्य गुण है।

(iii) कुण्डलियाँ एक ....मात्रिक छंद है।

(iv) हरिगीतिका छंद में ....चरण होते हैं।

(v) ....अलंकार में कारण के बिना कार्य की उत्पत्ति का वर्णन किया जाता है।

(vi) जहॉ उपमान की अपेक्षा उपमेय में गुणों की अधिकता से श्रेष्ठ सिद्व किया जाता है वहां...................अलंकार होता है।

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (1X6= 6)

भक्ति आंदोलन, अखिल भारतीय सांस्कृतिक आन्दोलन था। इस आन्दोलन की श्रेष्ठ देन थे तुलसीदास । उन्होंने निर्गुण–पंथियों एवं सगुण मतावलम्बियों को एक किया। उन्होंने वैष्णवों एवं शाक्तों को मिलाया। उन्होंने भक्ति के आधार पर जनसाधारण के लिए धर्म को सरल एवं सुलभ बनाकर पुरोहितों के धार्मिक अधिकार की जड़ें हिला दी । तुलसीदास, मानवीय करूणा के अन्यतम कवि हैं। उनके राम दीनबन्धु हैं। 'सबरी गीध सुसेवकानि, सुगति कीन्ह रधुनाथ'। बनवासी कोलकिरात, राम के दर्शन से प्रसन्न होते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने राम को उपास्य मानकर आस्था का भवन निर्मित किया था।''

(i) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) निर्गुण एवं सगुण में एक अन्तर लिखो।

(iii) वैष्णवों एवं शाक्तों में समन्वय का कार्य किसने किया ?

(iv) गोस्वामी तुलसीदास ने अपना उपास्य किसे माना ?

(V) 'राम दीनबन्धु थे' । कैसे ?

(vi) तुलसीदास ने जनसाधारण के लिए भक्ति आन्दोलन में क्या किया ?

BSER

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (6X1= 6)

'' ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में
मनुज नहीं लाया है
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है
प्रकृति नहीं डर कर झुकती है
कभी भाग्य के बल से
सदा हारती वह मनुष्य से
<u>उद्यम</u> से श्रमजल से''

(i) प्रस्तुत पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) रेखांकित शब्द का अर्थ लिखिए।

(iii) प्रकृति किससे नहीं डरती ?

(iv) मनुष्य अपना सुख किस प्रकार प्राप्त करता है ?

(V) प्रकृति किसके सामने हार मानती है ?

(vi) भुजबल का महत्त्व लिखिए ।

<u>खण्ड –ब</u>

निर्देश – प्रश्न संख्या 5 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द है।

प्र.5) 'कुटज' निबंध मानव के लिए क्या संदेश देता है ? (2)

प्र.6) 'सांझा' लघु कथा की मूल संवेदना लिखिए । (2)

प्र.7) 'वसंत आया' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए । (2)

प्र.8) ''पुलकि सरीर सभा भए ठाढ़े। (2)
नीरज नयन नेह जल बाढ़ें ।।''
प्रस्तुत पंक्तियों का शिल्प–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

प्र.9) सूरदास का घर जल जाने पर भी उसने क्या सकारात्मक संदेश दिया ? (2)

प्र.10) 'अपना मालवा– खाऊ उजाडू सभ्यता में' पाठ के अन्तर्गत कौनसी समस्या वर्णित है? (2)

प्र.11) माधुर्य गुण एवं ओज गुण में एक अन्तर स्पष्ट करो । (2)

BSER

प्र.12) फीचर की दो विशेषताएँ लिखों । (2)

प्र.13) संवाददाता एवं विशेष संवाददाता में क्या अंतर है ? (2)

प्र.14) कहानी लेखन के चरण स्पष्ट कीजिए । (2)

प्र.15) 'जयशंकर प्रसाद' या 'ममता कालिया' का साहित्यिक परिचय लिखिए । (2)

खण्ड –स

निर्देश – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

प्र.16) 'यह दीप अकेला' कविता में दीप की विशेषताओं को विस्तृत रूप से समझाओ। (3)

अथवा

'कार्नेलिया का गीत' कविता का मूल भाव लिखिए।

प्र.17) 'दूसरा देवदास' कहानी में वर्णित प्रेम की तुलना वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कीजिए। (3)

अथवा

'संवदिया' कहानी के दोनो पात्रों 'हरगोबिन' एवं' बड़ी बहुरिया' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्र.18) 'बिस्कोहर की माटी' में लेखक ने मां की ममता का वर्णन किन–किन उपमाओं से किया है ? वर्णन कीजिए। (3)

अथवा

'सूरदास की झोपडी' पाठ के अनुसार सूरदास का चरित्र–चित्रण कीजिए।

खण्ड –द

प्र.19) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (5)

" कुटज के ये सुंदर फूल बहुत बुरे तो नहीं है। जो कालिदास के काम आया हों उसे ज्यादा इज्जत मिलनी चाहिए। मिली कम है। पर इज्जत तो नसीब की बात है। रहीम को मैं बड़े आदर के साथ स्मरण करता हूँ। दरियादिल आदमी थे, पाया सो लुटाया। लेकिन दुनिया है कि मतलब से मतलब है, रस चूस लेती है, छिलका और गुठली फेंक देती है।"

BSER

अथवा

हरगोबिन होश में आया।...........बड़ी बहुरिया का पैर पकड़ लिया, '' बड़ी बहुरिया! ....मुझे माफ करो। मैं तुम्हारा संवाद नहीं कह सका। ....तुम गाँव छोड कर मत जाओ। तुमको कोई कष्ट नहीं होने दूंगा। मैं तुम्हारा बेटा ! बड़ी बहुरिया, तुम मेरी माँ, सारें गाँव की माँ हो! मै अब निठल्ला बैठा नही रहूँगा।

प्र.20) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (5)

''फागुन पवन झंकोरैं बहा। चौगुन सीउ जाइ किमि सहा ।।
तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहें पवन होइ झोरा ।।
तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भइ अनपत फूल कर साखा ।।
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू । सो कहॅ भा जग दून उदासू ।।

अथवा

तोड़ो तोड़ो तोड़ो
ये पत्थर ये चट्टाने
ये झूठे बंधन टूटे
तो धरती को हम जाने
सुनते है मिट्टी मे रस है जिससे उगती दूब है
अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है
आधे आधे गाने

प्र.21) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए। (6)

(अ) राजस्थान में लोकजीवन
(ब) मेरा प्रिय कवि तुलसीदास
(स) समाज एवं नारी सशक्तिकरण
(द) पर्यावरण संरक्षण में नागरिक कर्तव्य

BSER